आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–19 सितम्बर 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **एक राष्ट्र एक चुनाव** से संबंधित उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को दी मंजूरी।
- केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एनपीएस वात्सल्य योजना का किया शुभारम्भ। प्रदेश के छह जनपदों में बच्चों को पहले दिन जारी किये गये प्रैन कार्ड।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में सात सौ सत्तावन करोड़ रुपये की एक सौ ग्यारह विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास।
- मथुरा में पटरी से उतरी मालगाड़ी। कई ट्रेनों का संचालन हुआ बाधित।
- प्रदेश के चौबीस जिले बाढ़ की चपेट में। साढ़े पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित।

****

केन्द्र सरकार ने देशभर में एक साथ चुनाव कराने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की नई दिल्ली में जानकारी देते हुए सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित समिति ने राजनीतिक दलों और विशेषज्ञों सहित हितधारकों के साथ व्यापक विचार–विमर्श किया। उन्होंने कहा कि इसे दो चरणों में लागू किया जाएगा।

एनडीए सरकार की कैबिनेट ने आज सर्वसम्मति से इन रेकमेन्डेशन को एक्सेप्ट किया और फर्स्ट फेज में लोकसभा और असेम्बली के इलेक्शन्स को साइमल्टेनीअस कराने का प्रयास है और सेकेंड फेज में लोकल बॉडी इलेक्शन्स को विथ इन हंड्रेड डेज ऑफ जनरल इलेक्शन में करवाना, जिससे कि एक बार में सारे इलेक्शन्स का प्रोसेज कम्पलीट हो और फिर पांच साल तक सब के सब मेहनत करके देश के निर्माण में लग लाएं।

कैबिनेट के एक देश एक चुनाव के फैसले का बहुजन समाज पार्टी ने स्वागत किया है।

श्री वैष्णव ने बताया कि सरकार ने रबी सीजन 2024–25 के लिए फास्फेट और पोटाश उर्वरकों पर पोषण आधारित सब्सिडी को भी स्वीकृति दी है। इस पर 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक का व्यय होगा। सरकार ने किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार–चढाव पर नियंत्रण के लिए प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण योजना को जारी रखने को भी मंजूरी दी है।

प्रदेश के किसानों ने केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों का स्वागत किया है। सुल्तानपुर जिले के बल्दीराय तहसील के नदौली गांव के किसान जमील अहमद ने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि पीएम आशा योजना से किसानों को काफी फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री का यह बहुत अच्छा कदम है।

माननीय प्रधानमंत्री जी किसान के लिये बहुत सोचते है पीएम आशा योजना जो है 25 हजार करोड़ इसमें व्यय कर रहे हैं दूसरी बात इसमें शुद्धिकरण के लिये भी है इसमें जो है किसानों को रेट भी अच्छा मिलेगा, नुकसान होगा तो उसका भी सरकार उसमें देखरेख रखेगी और बाजार क्षेत्र में उतार चढ़ाव जो होगा उसमें देखेगी।

बरेली के किसान आकिब अहमद ने सरकार के उर्वरकों पर पोषण आधारित सब्सिडी का स्वागत करते हुए कहा कि इससे किसानों को काफी सहायता मिलेगी।

****

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कल नई दिल्ली में एनपीएस–वात्सल्य योजना का शुभारम्भ करने के बाद प्रदेश के छः जिलों सहित पचहत्तर स्थानों पर इस योजना की समारोहपूर्वक शुरूआत की गयी। प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित अयोध्या, सहारनपुर, लखीमपुर खीरी, देवरिया और संभल में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को इस योजना से जोड़ा गया। इस मौके पर लखनऊ में बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने पांच बच्चों को प्रैन कार्ड दिये। अयोध्या के जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रैन कार्ड हासिल करने वाले बच्चे के अभिभावक हिमांशु ने कहा कि इस योजना से बच्चों का भविष्य सुरक्षित होगा।

ये स्कीम 18 साल के बाद ही शुरू होती है, तब तक ये लॉगइन रहता है उसके भविष्य के लिये 18 साल तक हम इसमें जमा करेंगे। इसके बाद इस स्कीम की सबसे अच्छी चीज यह है कि 18 साल तक हम इसको विड्रो कर सकते है या इसको हम उसकी जरूरत के हिसाब से उसके आगे जो नार्मल हमारा एनपीएस जैसे जितनी भी सरकारी संस्था के लोगों को एनपीएस मिलता है उसमें हम उसको कन्वर्ट भी करा सकते है।

सहारनपुर में पंजाब नेशनल बैंक के तत्वावधान में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से योजना के बारे में जानकारी दी गई। एनपीएस वात्सल्य योजना में माता–पिता बच्चे के नाम पर सालाना एक हजार रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह नई पहल बच्चों के वित्तीय भविष्य को सुरक्षित करने के लिए शुरू की गई है, जो भारत की पेंशन प्रणाली में एक महत्वपूर्ण कदम है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गाजियाबाद में सात सौ सत्तावन करोड़ रुपये की एक सौ ग्यारह विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने दस हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति–पत्र, छह हजार युवाओं को टैबलेट, स्मार्टफोन और छः सौ बत्तीस लाभार्थियों को 357 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का युवा आज डिजिटल माध्यम से दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कर रहा है। पिछले कुछ दिनों के दौरान 10 जिलों में रोजगार मेलों का आयोजन किया गया है, ताकि युवाओं के सपनों को पंख लग सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि गाजियाबाद आज स्मार्ट सिटी बन चुका है। सरकार द्वारा जल्द ही गाजियाबाद में एम्स दिल्ली का एक सेटेलाइट सेंटर बनाने की तैयारी भी की जा रही है।

****

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के बेड़े में और एक सौ बीस इलेक्ट्रिक बसों के शामिल करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। जल्द ही इसके लिये विभाग की ओर से निविदा निकाली जायेगी। यह बसें अलीगढ़, मुरादाबाद, लखनऊ, अयोध्या एवं गोरखपुर क्षेत्र में संचालित की जायेंगी। कल लखनऊ में इसकी जानकारी देते हुए परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि अलीगढ़ एवं मुरादाबाद क्षेत्र में तीस इलेक्ट्रिक बसें, लखनऊ, अयोध्या एवं गोरखपुर क्षेत्र में बीस–बीस इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जायेंगी।

****

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना के लिये लोगों को अधिक से अधिक जागरूक किये जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा है कि यूनिटों को दी जा रही बड़ी सब्सिडी की जानकारी आम जनता को दी जाय। श्री मौर्य कल लखनऊ में खाद्य प्रसंस्करण विभाग की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि योजना में पैंतीस प्रतिशत सब्सिडी का प्राविधान है। इस योजना में दस हजार लोगों को लाभान्वित किया गया है।

****

मथुरा से दिल्ली की ओर जा रही एक मालगाड़ी कल देर रात मथुरा में ही पटरी से उतर गयी, जिससे उसके उन्सठ में से पच्चीस डब्बे डिरेल हो गये। इस घटना के कारण उस रास्ते गुजरने वाली कई ट्रेनों का संचालन बाधित हो गया है। बारह ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है।घटना की जानकारी देते हुए मथुरा जंक्शन के स्टेशन डायरेक्टर एस.के. श्रीवास्तव ने बताया कि–

घटना की सूचना मिलने के बाद रेल विभाग की टीम ने पटरी को ठीक करने का कार्य शुरू कर दिया। विभाग ने बहुत जल्द आवागमन व्यवस्था सामान्य होने की उम्मीद जतायी।**बाइट–एस.के. श्रीवास्तव।**

****

पहाड़ों पर हो रही बारिश और बांधों से लगातार नदियों में पानी छोड़े जाने की वजह से प्रदेश के 24 जनपदों में रहने वाले साढ़े पांच लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। गंगा नदी बदायूं, फर्रूखाबाद, गाजीपुर और बलिया, घाघरा नदी बाराबंकी, अयोध्या और तुर्तीपार में खतरे के निशान को पार कर गई है। वहीं गंगा नदी कन्नौज, कानपुर देहात और कानपुर नगर में खतरे के निशान से महज आधा मीटर नीचे है। नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण वाराणसी, प्रयागराज में नाव के संचालन पर भी रोक लगा दी गई है। प्रयागराज से हमारे प्रतिनिधि की एक रिपोर्ट–

प्रयागराज में पिछले 5 दिनों से गंगा और यमुना नदी के जलस्तर में हुई वृद्धि से प्रयागराज के एक दर्जन से अधिक मोहल्लों में बाढ़ की स्थिति बनी है साथ ही 100 से अधिक गांव इससे प्रभावित है। बाढ़ के मद्देनजर कक्षा 1 से लेकर 8 तक के सभी बोर्ड के स्कूल आज 18 सितंबर को बंद रखा गया है। बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन के द्वारा सभी बाढ़ ग्रस्त इलाको में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए है। बाढ़ से प्रभावित लोगो के लिए शहर और ग्रामीण दोनो इलाकों में कुल सात जगहों पर अस्थाई कैंप व शरणालय बनाए गए हैं, जहां पर दो हजार से अधिक लोग शरण लिए हुए है। प्रवीण मिश्र, आकाशवाणी समाचार प्रयागराज।

महोबा जिले के पनवाड़ी विकास खण्ड में क्यौलारी नदी का जलस्तर बढ़ने से वहां आसपास के एक दर्जन गांव का आवागमन प्रभावित हो गया है। घाघरा नदी एल्गिन ब्रिज, अयोध्या और तुर्तीपार में तथा राम गंगा नदी शाहजहांपुर के डाबरी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। उधर, मौसम विभाग के भारी वर्षा के पूर्वानुमान को देखते हुए हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर और मैनपुरी के जिला प्रशासन ने आज कक्षा एक से बारह तक के सभी स्कूल–कॉलेज बन्द कर दिये हैं।

****